B.A(ELECTIVE HINDI)

SEMESTER	SUBJECT CODE	SUBJECT
SEM-I	BA(ELECTIVE HINDI)-101	ELECTIVE HINDI
SEM-III	BA(ELECTIVE HINDI)-301	ELECTIVE HINDI
SEM-V	BA(ELECTIVE HINDI)-501	ELECTIVE HINDI

LESSON PLAN B.A(ELECTIVE HINDI) SEMESTER-I

MONTH	NOTES/STRATEGIES/RESOURCES	विभागीय गतिविधियाँ
1. मुख्य कवि कविताओं के शीर्षक सारगर्भित अर्थ	**भारतेन्दु हरिश्चन्द्र**: कवि परिचय, कवि द्वारा रचित रचनाओं का परिचय, काव्य-रचनाओं के आधार पर कवि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की काव्यगत विशेषताएं विस्तृत विवेचन । **निज भाषा गौरव**: कविता सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, महऊेव, राष्ट्र भाषा हिन्दी के गौरव का गान **भारत दुर्दशा**: अतीत भारत का यशोगान पराधीन भारत की दुर्दशा का वर्णन भारत दुर्दशा पर व्यक्त कवि का दु:ख **आह्वान**: पराधीन भारत में रह रहे भारतीयो को देश को स्वाधीन करवाने के लिए करुणामयी पुकार	निबन्ध लेखन प्रतियोगिता
2. मुख्य कवि कविताओं के शीर्षक सारगर्भित अर्थ	**अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध**: कवि परिचय, कवि द्वारा रचित रचनाओं का परिचय, काव्य-रचनाओं के आधार पर कवि हरिऔध की काव्यगत विशेषताएं विस्तृत विवेचन । **एक तिनका**: राधा के विरह का मार्मिक वर्णन करते हुए मानव-कल्याण की भावना को सर्वोपरि मानना, सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, कविता का महऊेव **संध्या वर्णन**: प्र—ति-वर्णन का सुन्दर उदाहरण, संध्या का मानवीकरण, कविता की सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, महऊेव, **व्याकरण अभ्यास**: संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण व्यावहारिक पक्ष	कविता-पठन अभ्यास
3. मुख्य कवि पाठ्यक्रम में संकलित कविताएं	**मैथिलीशरण गुप्त**: कवि-परिचय, कवि द्वारा रचित रचनाओं का परिचय, काव्य-रचनाओं के आधार पर काव्यगत विशेषताओं का विस्तृत विवेचन । **कह मुक्ति भला किसलिए तुझे मैं पाऊँ**: सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, महऊेव, कवि द्वारा प्र—ति की तरह निरन्तर कर्मशील रहने को महऊेव **स्वयमागत**:सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, महऊेव, कवि द्वारा परमात्मा का भक्त के प्रति नि:स्वार्थ प्रेम का भावपूर्ण वर्णन **पुरूष हो पुरूषार्थ करो, उठो**: सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, महऊेव, कवि द्वारा निरन्तर कठिन परिश्रम करते रहने को प्रेरणा ।	कविता-लेखन के मुख्य घटकों से परिचित करवाना

4. मुख्य कवि पाठ्यक्रम में संकलित कविताएं	**माखन लाल चतुर्वेदी**: कवि-परिचय, कवि द्वारा रचित रचनाओं का वर्णन, चतुर्वेदी जी द्वारा रचित कविताओं के आधार पर काव्यगत विशेषताओं का विस्तृत विवेचन । **पुष्प की अभिलाषा**: सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, कविता का महÊव, पुष्प द्वारा देश के लिए कुर्बानी करने जा रहे वीरों के चरणों में आने की अभिलाषा **बलिपंथी से**: सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, कविता का महÊव, मंजिल दी तरफ बढ़ते हुए रास्ते में आने वाली रूकावटों से न डरते हुए निरंतर आगे बढ़ने का संदेश । **कैदी और कोकिल**: सप्रसंग व्याख्या सारगर्भित अर्थ,सार, कविता का महÊव, स्वतन्त्रता संग्राम के दिनों कवि द्वारा अम्ग्रेजों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों पर किये जा रहे जुल्मों का मार्मिक विवेचन और कोयल के साथ कवि का अर्थपूर्ण संवाद **अनुवाद-शब्दावली 1-60** का लेखन अभ्यास दोहराव	अनुवाद-शब्दावली का दैनिक जीवन में महÊव
5. मुख्य कवि पाठ्यक्रम में संकलित कविताएं	**जयशंकर प्रसाद**: कवि-परिचय, कवि द्वारा रचित रचनाओं का वर्णन, प्रसाद जी द्वारा रचित कविताओं के आधार पर काव्यगत विशेषताओं का विस्तृत विवेचन । **महाराणा का महÊव**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ । महाराणा प्रताप के महान व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए नारी के प्रति उनके आदर भाव को दिखाना **बीती विभावरी जाग री**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ. रात बीत जाने पर नायिका दी सखी द्वारा उसे उठाये जाने का सुन्दर वर्णन	का~लेज के सभागए में मध्ययुगीन साहित्य को आधार बनाकर सांस्— तिक कार्यक्रम का आयोजन वाद-विवाद लेखन, निबन्ध-लेखन कविता-लेखन पोट्रेट मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन
	अरुण यह मधुमय देश हमारा: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, कविता का महÊव, भारतवासियों की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का सुन्दर चित्रण । **मनु-श्रद्धा संवाद**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÊव आदि पुरूष मनु के निराशावादी भाव के साथ गन्धर्व-कन्या श्रद्धा का आशावादी दृष्टिकोण का वर्णन करते हुए प्रलय के बाद फिर से सृष्टि की रचना की तरफ अग्रसर करने की प्रेरणा	कबीर के दोहों को आधार बनाकर शास्त्रीय नृत्य, हिन्दी की बढ़ती प्रसिद्धि को आधार बनाकर कोरियोग्राफी का प्रदर्शन निराला के गीत 'वर दे' वीणा-वादिनी वर दे गीत का सामूहिक गायन के रूप में प्रस्तुतिकरण

6. मुख्य कवि पाठ्यक्रम में संकलित कविताएं	**सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**: कवि-परिचय, कवि द्वारा रचित रचनाओं का परिचय, निराला जी द्वारा रचित काव्य के आधार पर उनकी काव्यगत विशेषताओं का वर्णन । **भारती जय-विजय करें**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, भारत की संस्—ति का गौरव गान **भिक्षुक**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, भिखारी दी दयनीय अवस्था का वर्णन करते हुए परिस्थितियों से उभरने की प्रेरणा। **जागो फिर एक बार**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, पराधीन भारत की युवा पीढ़ी को गुरुगोबिन्द सिंह जी का उद्धरण देते हुए अंग्रेज रूपी गीदड़ को भारत से भगाने की प्रेरणा **मैं अकेला**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, प्रौढ़ावस्था में अकेलेपन की पीड़ा का मार्मिक चित्रण अनुवाद: अर्थ और परिभाषा अनुवाद की उपयोगिता अनुवादक के गुण प्रार्थना पत्र, पारिवारिक पत्र लिखने का अभ्यास	
7. मुख्य कवि पाठ्यक्रम में संकलित कविताएं	सुभद्रा कुमारी चौहान, कवयित्री परिचय, रचनाओं का परिचय, काव्यगत विशेषताओं का वर्णन **झाँसी की रानी की समाधि पर**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, झाँसी की रानी के माध्यम से कवयित्री की देशभक्ति की भावना का परिचय । झाँसी की रानी के महान व्यक्तित्व के प्रति श्रद्धा नमन **ठुकरा दो या प्यार करो**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, ईश्वर के साथ सहज समर्पण भाव की अभिव्यक्ति । **वीरो का कैसा हो वसन्त**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, देश-भक्ति से सरावोर कविता	

8. मुख्य कवि पाठ्यक्रम में संकलित कविताएं	**हरिवंश राय बच्चन**: कवि-परिचय, रचनाओं का परिचय, काव्यगत विशेषताओं का वर्णन **दिन जल्दी जल्दी ढलता है**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, कवि द्वारा अकेलेपन की पीड़ा का मर्मस्पर्शी वर्णन **जो बीत गई**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, कवि द्वारा बीती बातों को बिसारते हुए निरन्तर आगे बढ़ने का संदेश **निर्माण**: सप्रसंग व्याख्या, सार, सारगर्भित अर्थ, महÙव, सृष्टि के निरन्तर रहने का संदेश। प्रलय के बाद फिर से सृष्टि के सृजन का वर्णन व्याकरण का निरन्तर अभ्यास अनुवाद: शब्दावली का निरन्तर अभ्यास शैक्षणिक, प्रार्थना-पत्रों का निरन्तर अभ्यास	
	पाठ्क्रम में संकलित कवियों के प्रश्नोत्तर, अभ्यास कविताओं संबंधी प्रश्नोत्तर, अभ्यास सप्रसंग व्याख्या, अभ्यास कविताओं का सार, अभ्यास अनुवाद: प्रश्नोत्तर, अभ्यास अनुवाद: शब्दावली: अभ्यास व्यावहारिक व्याकरण: अभ्यास	

LESSON PLAN B.A(ELECTIVE HINDI) SEMESTER-III

MONTH	NOTES/STRATEGIES/RESOURCES	विभागीय गतिविधियाँ
पाठ संख्या-1 पाठ्यक्रम में संकलित दोहों का मूल भाव	**कबीर** गुरू की महिमा का गुणगान, नाम स्मरण पर बल, आत्मा-परमात्मा के मिलन की तड़प, बाहरी आडम्बरों का विरोध * विद्यार्थियों में नैतिकता की नींव दृढ़ करने में सहायक * व्याख्यान, अध्यापन-अनुभव के आधार पर विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख, प्रश्नोत्तर-चर्चा	शेखर सेन द्वारा अभिनीत काव्य नाटिका कबीर का प्रदर्शन
पाठ संख्या-1 पाठ्यक्रम में संकलित गुरू नानक वाणी का मूल भाव	**गुरू नानक देव** निराकार ईश्वर की स्तुति, ईश्वर की सर्वव्यापकता पर बल, नाम स्मरण को महत्त्व, बाबर के आक्रमणों की निंदा, ईश्वर के प्रति समर्पण * परमात्मा के सर्वव्यापी रूप के प्रति आस्था बनाना * नामस्मरण के महत्त्व को बताना * ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार अपनी बात कहना *व्याख्यान, अध्यापन-अनुभव के आधार पर काव्यांशों की व्याख्या प्रश्नोत्तर चर्चा	जपुजी साहिब का अध्ययन-अध्यापन
हिन्दी साहित्य का इतिहास	आदिकाल नामकरण हिन्दी साहित्य का इतिहास कुसुम वर्मा	
पाठ संख्या-3 पाठ्यक्रम में संकलित सूर-काव्य का मूल भाव	**सूरदास** कृष्ण भक्ति, बचपन दी, लीलाओं, नाम स्मरण के महत्त्व को दर्शाते पदों का पठन-पाठन अध्यात्म के प्रति रूचि उत्पन्न होना व्याख्यान, अध्यापन-अनुभव के आधार पर विभिन्न प्रासंगिक प्रसंगों का उल्लेख।	कृष्ण-जीवन से संबंधित फिल्म का दिखाना
पाठ संख्या-4 पाठ्यक्रम में संकलित तुलसीकाव्य का मूल भाव	**तुलसीदास** दास्य-भाव दी भक्ति पर आधारित पद्यांशों का उल्लेख। राम के प्रति आस्था का संचार व्याख्यान, अध्यापन-अनुभव के आधार पर विभिन्न प्रांसंगिक प्रसंगों का उल्लेख	तुलसीदास के जीवन पर आधारित फिल्म दिखाना
अलंकार	अर्थ-निरूपण, अनुप्रास, रूपक, उपमा, प्रतीप, विरोधाभास, यमक	विभिन्न काव्यांशों में से अलंकार खोजने का अभ्यास

आदिकाल	हिन्दी साहित्य का इतिहास नामकरण आधारभूत परिचय हिन्दी साहित्य का इतिहास कुसुम वर्मा हिन्दी साहित्य का इतिहास कुसुम वर्मा हिन्दी साहित्य का इतिहास डा~. शिव कुमार शर्मा	
पाठ संख्या-5 पाठ्यक्रम में संकलित रविदास वाणी का मूल भाव	**रविदास** ईश्वर भक्ति, नाम स्मरण को महत्त्व प्रह्लाद चरित की महानता को प्रदर्शित करते हुए पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या रविदास के जीवन का वर्णन करते हुए उनके महान व्यक्तित्व का वर्णन रविदास के काव्य की विशेषताओं का वर्णन	का~लेज के सभागार में मध्ययुगीन साहित्य को आधार बनाकर सांस्— तिक कार्यक्रम का आयोजन वाद-विवाद लेखन, कविता-लेखन पोट्रेट मेकिंग, निबन्ध-लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन
आदिकाल	परिस्थितियों का वर्णन प्रवृत्तियों का वर्णन	कबीर के दोहों को आधार बनाकर शास्त्रीय नृत्य, हिन्दी की बढ़ती प्रसिद्धि को आधार बनाकर कोरियोग्राफी का प्रदर्शन
पाठ संख्या-6 बिहारी बिहारी के दोहों का मूल भाव	**कवि-बिहारी** कवि-बिहारी का जीवन परिचय काव्यगत विशेषताएं नीतिपरक दोहों के माध्यम से आदर्श जीवन जीने का संदेश भक्तिपरक दोहों के माध्यम से राधा कृष्ण की भक्ति का विस्तृत वर्णन श्रृंगारपरक दोहों की सप्रसंग व्याख्या भक्ति के नाम पर आडम्बरों का विरोध	निराला के गीत 'वर दे' वीणा-वादिनी वर दे गीत का सामूहिक गायन के रूप में प्रस्तुतिकरण
आदिकाल	आदिकाल काव्यधाराओं का संक्षिप्त वर्णन	
पाठ संख्या-7 रहीम रहीम के दोहों का मूल भाव	कवि-परिचय, काव्यगत विशेषताएं नीतिपरक दोहों का वर्णन आदर्श जीवन जीने के लिए शिक्षाप्रद दोहों का वर्णन रहीम जी की जीवन के प्रति सूक्ष्मदृष्टि को परिचित करवाते दोहे। अध्ययन-अध्यापन के माध्यम से दोहों की विस्तृत साप्रसंग व्याख्या	

व्याकरण	स्वर-व्यंजन परिभाषा संधि व्यावहारिक पक्ष लिंग परिभाषा उदाहरण वचन परिभाषा उदाहरण	
पाठ संख्या-8 श्री गुरू तेग बहादुर की वाणी का मूल भाव	कवि-परिचय, काव्यगत विशेषताएं संसार की नश्वरता का वर्णन, अहँ त्याग पर बल। मोह-माया के त्याग का शिक्षा ब्रह्मज्ञानी के महान व्यक्तित्त्व की स्तुति। नाम स्मरण पर बल आध्यात्मिक जीवन जीने का संदेश देते शिक्षापरक दोहों का अध्ययन-अध्यापन के माध्यम से विस्तृत विवेचन	
	कबीर, गुरू नानक देव के काव्यांशों का दोहराव। सूरदास, तुलसीदास के काव्यांशों का दोहराव। रविदास, बिहारी के काव्यांशों का दोहराव। रहीम, गुरू तेग बहादुज के काव्यांशों का दोहराव। अलंकारों का दोहराव। आदिकाल के प्रश्नोत्तर का दोहराव। व्याकरण का दोहराव।	

LESSON PLAN B.A(ELECTIVE HINDI) SEMESTER-V

MONTH	NOTES/STRATEGIES/RESOURCES	विभागीय गतिविधियाँ
पाठ्य पुस्तक रश्मि-रथी **प्रथम सर्ग** पाठ्यक्रम में संकलित रश्मि-रथी के प्रथम सर्ग का मूल भाव	**प्रथम सर्ग: सप्रसंग व्याख्या** * कर्ण की अद्‌भुत वीरता का चित्रण * द्रोणाचार्य का कर्ण की वीरता को देखकर अचंभित होना * दुर्योधन द्वारा कर्ण को अंग देश का राजा बनाना * कुंती का कर्ण की स्थिति को देखना विचलित होना	रामानंद सागर द्वारा निर्देशित महाभारत में कर्ण के चरित्र को देखना
द्वितीय सर्ग पाठ्यक्रम में संकलित रश्मि-रथी के द्वितीय सर्ग का मूल भाव	**द्वितीय सर्ग: सप्रसंग व्याख्या** * परशुराम से शास्त्र विद्या की शिक्षा ग्रहण करना * दुर्भाग्यपूर्ण घटना का घटित होना * परशुराम को कर्ण की वास्तविकता का पता चलना * परशुराम का क्रोधित होकर कर्ण को शाप देना * कर्ण का विचलित होकर परशुराम के आश्रम से वापिस लौटना	
पदनाम शब्दावली	1-20 शब्दों का अभ्यास	
तृतीय सर्ग पाठ्यक्रम में संकलित तृतीय सर्ग का मूल भाव	**तृतीय सग: सप्रसंग व्याख्या** * बनवास के बाद पांडवों का और भी वीर बन कर लौटना * कृष्ण का शांति-दूत बनकर दुर्योधन को समझाना * दुर्योधन के न समझने पर कृष्ण का विराट रूप में आना और दुर्योधन को चेतावनी देना	
चतुर्थ सर्ग पाठ्यक्रम में संकलित चतुर्थ सर्ग का मूल भाव	**चतुर्थ सर्ग: सप्रसंग व्याख्या** * पांडवों का कर्ण की वीरता से आशंकित होना * कर्ण की दानवीरता का गुणगान * दानवीरता को कर्ण की कमजोरी मानते हुए इन्द्र द्वारा कर्ण से कवच-कुण्डल दान के रूप में माँगना * कर्ण द्वारा कवच-कुण्डल का दान * इन्द्र द्वारा कर्ण को एकघ्नी शस्त्र का वरदान	

पंचम सर्ग पाठ्यक्रम में संकलित चतुर्थ सर्ग का मूल भाव	**पंचम सर्ग: सप्रसंग व्याख्या** * कुंती का कर्ण के पास जाना और उसके जन्म-रहस्य को बताना * कुंती का कर्ण को आग्रह कि वह पाँडवों के पास आ जाये * कर्ण का कुंती को उलाहना और पाँडवों का साथ देने को इन्कार * कुंती द्वारा कर्ण को दानवीर का उलाहना देने पर कर्ण का पाँच पाँडवों की माता बना रहने का वरदान	
पदनाम शब्दावली	21-50 शब्दों का अभ्यास काव्य के तत्त्व काव्य के प्रकार	
रीतिकाल	नामकरण, काव्यधाराओं का परिचय	
षष्ठ सर्ग पाठ्यक्रम में संकलित षष्ठ सर्ग का मूल भाव	**षष्ठ सर्ग: सप्रसंग व्याख्या** * कर्ण का भष्मि से आशीर्वाद लेने जाना * भष्मि का कर्ण से आग्रह कि वह दुर्योधन को समझाए और युद्ध को रोके * कर्ण द्वारा भष्मि को अनुरोध कि वह उसे युद्ध करने की और बढ़ने की अनुमति प्रदान करे	का~लेज के सभागार में हिन्दी दिवस का आयोजन हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में निबन्ध-लेखन कविता-लेखन वाद-विवाद लेखन
सप्तम सर्ग पाठ्यक्रम में संकलित सप्तम सर्ग का मूल भाव	**सप्तम सर्ग: सप्रसंग व्याख्या** * कर्ण द्वारा युद्ध के मैदान में वीरता का श्रेष्ठ प्रदर्शन * एकघ्नी शस्त्र द्वारा घटोत्कच का वध * नि:शस्त्र कर्ण पर अर्जुन का बाण-प्रहार * कर्ण की मृत्णु पर कृष्ण का उदास होना	पोट्रेट मेकिंग, प्रतियोगिताओं का आयोजन मध्ययुगीन कवियों को आधार बनाकर शास्त्रीय नृत्य, हिन्दी के बढ़ते प्रचलन को लेकर कोरियोग्राफी का विद्यार्थियों को दिखाना

रीतिकाल	परिस्थितियां, प्रवृत्तियां	
निर्देशित पुस्तकें	हिन्दी साहित्य का इतिहास - कुसुम वर्मा हिन्दी साहित्य का इतिहास - डा. शिव कुमार शर्मा हिन्दी साहित्य का इतिहास - डा. नगेन्द्र	
	रश्मिरथी में वर्णित समस्याओं का वर्णन रश्मिरथी के नामकरण की सार्थकता कर्ण के चरित्र-चित्रण विश्लेषण कृष्ण का चरित्र-चित्रण दुर्योधन का चरित्र-चित्रण रश्मिरथी की भाषागत विशेषताएँ भष्मि का चरित्र-चित्रण संबंधित पुस्तकें 1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि डा. द्वारिका प्रसाद सक्सेना 2. दिनकर के काव्य में परम्परा और आधुनिकता: डा. जयसिंह नीरद	
निर्देशित पुस्तकें	हिन्दी साहित्य का इतिहास - कुसुम वर्मा	
कामकाजी हिन्दी	अर्थ, स्वरूप, उपयोगिता प्रारूपण, संश्रेपन, टिप्पण परिभाषा एवं विधि विशेष	
महाकाव्य	महाकाव्य के लक्षण	
खंडकाव्य	खंडकाव्य के लक्षण काव्य के प्रयोजन काव्य-हेतु	
छंद अर्थ	छंद: परिभाषा, अर्थ, प्रकार विभिन्न छंदों का विस्तृत विवेचन दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, इन्द्रवज्रा, भुजंगप्रयात, गीतिका, वसंततिलका, मालिनी, वंशस्थ	
निर्देशित पुस्तकें	व्यावहारिक पक्ष	
नवम्बर	रश्मिरथी के प्रश्नोत्तर का दोहराव रीतिकाल के प्रश्नोत्तर का दोहराव काव्य-सिद्धांत प्रश्नोत्तर का दोहराव छंदों का दोहराव कामकाजी हिन्दी के प्रश्नोत्तर का दोहराव पदनाम शब्दावली का दोहराव	